Gorakhanatha Ashtakam

गोरखनाथाष्टकम्

Document Information

Text title : Gorakshanatha Ashtakam 2

File name : gorakShanAthAShTakam2.itx

Category : deities_misc, aShTaka

Location : doc_deities_misc

Author : netramaNi AchArya

Transliterated by : Chandrasekhar Karumuri

Proofread by : Chandrasekhar Karumuri

Description/comments : Goraksha Nikilavani Year 14-12, page 7

Latest update : December 14, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 14, 2022

sanskritdocuments.org

गोरखनाथाष्टकम्

अष्टाङ्गयोगनिधि अन्ध विनाशकर्ता
वेदान्तसार सुख साधक क्लेश हर्ता ।
त्रिशूल धृक् शिव-मृड-करुणा करेश
वन्दे समस्त गुरु गोरखनाथ तुभ्यम् ॥ १॥

भिषक परात्पर महेश्वर सर्व व्यापी
ॐकाररूप प्रणवात्मक ध्यानगम्य ।
दाता दयाकर सनातनधर्म धाम
धेयः महापुरुष गोरखनाथ तुभ्यम् ॥ २॥

बद्धोऽस्मि हे पशुपते ! जगमोहजाले
हे नाथ ! मामपिविलोकय दीनवन्धो ।
तापं मदीय मनसोहर अक्षमाली
वन्दे महापुरुष गोरखनाथ तुभ्यम् ॥ ३॥

आनन्दरूप ध्रुव-ताण्डव नृत्यकारी
इष्टो विशिष्ट जगपालक हे कपाली ।
दिग्वस्त्रकाय विधु-भास्कर अग्नि नेत्र
धेयः महापुरुष गोरखनाथ तुभ्यम् ॥ ४॥

व्याघ्राम्बरा श्रवण दर्शन दर्शनीय
आनन्दमूल अखिलेश्वर अप्रमेय ।
सर्वोत्तमोत्तम प्रभा भवरोग हारी
वन्दे महापुरुष गोरखनाथ तुभ्यम् ॥ ५॥

सम्पूर्ण शास्त्रमय श्री अवधूत सिद्ध
योगेश योगविषयातिव सु-प्रसिद्ध ।
गोर्खेश हे ! सकल कारण शान्त मूर्ते !
धेयः समस्त गुरु गोरखनाथ तुभ्यम् ॥ ६॥

स्वयं प्रकाश शुभ स्वस्तिदः षट् गुणेश
　　कल्याणदा अभयदा शिव ज्ञान गम्य ।
ब्रह्मादिदेव वर वन्दित साधु-साध्य
　　वन्दे महापुरुष गोरखनाथ तुभ्यम् ॥ ७॥

संसार-सम्प्लव विमोचन वन्दनीय
　　गोवंश रक्षक प्रवर्धक मूल त्राण ।
विद्येश नर्तक-स्वतन्त्र अमोघ वीर्य
　　धेयः समस्त गुरु गोरखनाथ तुभ्यम् ॥ ८॥

इति गोरखनाथाष्टकं सम्पूर्णम् ।

रचयिता - कवि नेत्रमणि आचार्य, गोरखा

गोरक्षनाथाष्टकं

Encoded and proofread by Chandrasekhar Karumuri

Gorakhanatha Ashtakam

pdf was typeset on December 14, 2022

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*